/राज्यसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)

भारतसरकार

****

'हरकामदेशकेनाम'

नई दिल्लीः श्रावण 17, 1944

सोमवारः 08 अगस्त 2022

निर्मित और निर्माणाधीन सीमावर्ती सड़कों की स्थिति

भारतीय सेना द्वारा निर्धारित की गई प्राथमिकता के अनुसार किसी क्षेत्र की रणनीतिक आवश्यकताओं के आधार पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के द्वारा सड़कों का निर्माण किया जाता है । विगत पांच वर्षों के दौरान सीमा पर निर्मित सड़कों का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	निर्मित सड़कें (कि.मी. में)
2017-18	612.82
2018-19	608.62
2019-20	691.22
2020-21	940.64
2021-22	741.70
कुल	**3595.00**

इसके अतिरिक्त, 6195 कि.मी. की सीमा सड़कें निर्माणाधीन है ।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के आसान आवागमन हेतु परिवहन सुविधा प्रदान करने के अतिरिक्त, ये सड़कें आपातकालीन मामलों में सैन्य टुकड़ियों के त्वरित जुटान में भी लाभदायक हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कें न सिर्फ दूरवर्ती गांवों को आपस में जोड़ने का कार्य करती हैं अपितु क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में भी सहायता करती हैं।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजराज्यसभामेंश्री प्रकाश जावडेकरद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीराज्यसभाकेपटलपररखी।

एसआर/डीके/डीएस

/राज्यसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नई दिल्लीः श्रावण 17, 1944
सोमवारः 08 अगस्त 2022

"रक्षाउत्कृष्टताकेलिएनवाचार (आईडेक्स)" पहल

सरकारद्वारासूक्ष्म, लघुएवंमध्यमउद्यमों (एमएसएमई), स्टार्टअप्स, निजीप्रवर्तकों, अनुसंधानएवंविकाससंस्थानोंतथाअकादमियोंसहितउद्योगोंकोशामिलकरतेहुएरक्षाऔरएरोस्पेससेक्टरमेंनवाचार औरप्रौद्योगिकीविकासकोप्रोत्साहितकरनेएवंआत्मनिर्भरताकोबढ़ावादेनेकेलिएरक्षाउत्कृष्टताहेतुनवाचार (आईडीईएक्स) फ्रेमवर्कशुरूकियाथा।सरकारनेवर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 5 वर्षोंकेलिए 498.78 करोड़रू. कीबजटीयसहायताकेसाथआईडीईएक्सकेलिएएककेन्द्रीयक्षेत्रकीयोजनाअनुमोदितकीहै।इसयोजनाकाउद्देश्यतकरीबन 300 स्टार्ट-अप/एमएसएमई/निजीप्रर्वतकोंऔरलगभग 20 पार्टनरइन्क्यूबेटरकोरक्षानवाचारसंगठन (डीआईओ) केमाध्यमसेवित्तीयसहयोगप्रदानकरनाहै।

सरकारस्टार्ट-अपकोपर्याप्तअनुदान, विभिन्नसरकारीएजेंसियोंकेपासउपलब्धपरीक्षणसुविधाओं/अवसंरचनातकसरलऔरतेजपहुँच, सुगमसंचालनात्मकप्रक्रियाओंऔरन्यूनतमदस्तावेजीकरणकाप्रयोगकरकेसह-सृजनऔरसह-नवाचारप्रदानकरकेतथाअधिप्राप्तिकोसुविधाजनकबनाकरसंपूर्णकार्यव्यवस्थाकोउनकेलिएसहायकबनातेहुएउन्हेंरक्षाक्षेत्रमेंसहयोगकरनेऔरदेशमेंएरोस्पेससेटअपविकसितकरनेकेलिएप्रोत्साहितकरतीहै।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजराज्यसभामेंडाकिरोड़ी लाल मीणाद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीराज्यसभाकेपटलपररखी।

एसआर/डीके/डीएस

/राज्यसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नई दिल्लीः श्रावण 17, 1944
सोमवारः 08 अगस्त 2022

रक्षाबलोंकापुनर्गठनकियाजाना

सुरक्षाचुनौतियोंकेसमग्रपरिदृश्यकोपूराकरनेकेलिएसशस्त्रबलोंकोतैयाररखनेहेतुजोखिमअवधारणा, संक्रियात्मकचुनौतियोंऔरप्रौद्योगिकचुनौतियोंकेआधारपररक्षाबलोंकाआधुनिकीकरण/ सुधारएकसततप्रक्रियाहै।

हथियारनिर्भरताकोकमकरनेऔररक्षाउपस्करकेस्वदेशीविनिर्माणकोप्रोत्साहितकरनेकेलिएसरकारीवित्त पोषणऔरउद्योगवित्तपोषणदोनोंकेसाथनिजीभागीदारीद्वारारक्षाउपस्करकेस्वदेशीडिजाइनऔरविकासकोसुगमब नानेहेतुडीएपी-20 मेंएकव्यापकसंशोधित 'बनाओऔरनवाचार' प्रक्रियाकीशुरुआतकीगईहै।

सकारात्मकस्वदेशीकरणसूचियों (पीआईएलएस) कीप्रगामीघोषणारक्षाहथियारोंऔरउपस्करोंजिन्हेंविदेशसेआयातितनहींकियाजाएगाकीसकरात्मकस्वदेशीकरणसू चियोंकीएकश्रेणीकीघोषणाकीगईहै।पहलीसकारात्मकस्वदेशीकरणसूचीजिसमें 101 मदेंशामिलहैं, कीघोषणाअगस्त, 2020 मेंकीगईथी, दूसरीसकारात्मकस्वदेशीकरणसूचीजिसमें 108 मदेंशामिलहैं, कीघोषणामई, 2021 मेंकीगईएवंतीसरीस्वदेशीकरणसूचीजिसमें 101 मदेंशामिलहैंकीघोषणाअप्रैल 2022 मेंकीगई।

रक्षाविनिर्माणमें 'आत्मनिर्भरभारत' काप्रभावनिम्नानुसारहैः

(i) वित्तवर्ष 2022-23 केलिएबजटघोषणाकेअनुरूपरक्षाअनुसंधानऔरविकासकेलिएआबंटित 25% उद्योगप्रेरितअनुसंधानऔरविकासकेलिएमेक I, मेक II, एसपीवीमॉडलऔरआईडीईएक्सरूटोंकेअंतर्गतउद्योगप्रेरितडिजाइनऔरविकासकेलिएसरकारद्वारा 18 मुख्यप्लेटफॉर्मोंकोअनुमोदनदियागयाहै।

(ii) एमएसएमई, स्टार्टअप्स, निजीनवोन्मेषकों, अनुसंधानऔरविकाससंस्थानोंतथाशैक्षिकसंस्थानोंसहितउद्योगोंकोशामिलकरकेरक्षाऔरएरोस्पेसमेंनवाचारऔर प्रौद्योगिकीविकासकोआगेबढ़ानेतथाभारतीयरक्षाऔरएरोस्पेसआवश्यकताओंकेलिएभविष्यमेंअपनाएजानेकीसंभा वनावालेअनुसंधानऔरविकासकरनेमेंउन्हेंअनुदान/ वित्तपोषणएवंअन्यसहायताउपलब्धकरानेकेलिएअप्रैल

2018 मेंरक्षाउत्कृष्टताहेतुनवाचार (आईडीईएक्स) नामसेरक्षाकेलिएएकनवाचारपारिप्रणालीशुरूकीगईहै।अबतक 125 समस्याएंप्रकटकीगईहैं, 136 स्टार्टअप्सकोशामिलकियागयाहै, 102 संविदाओंपरहस्ताक्षरकिएगएहैं।

(iii)
खरीदकेआईडीईएक्सरूटकासरलीकरणकियागयाहैऔरपरीक्षणप्रक्रियामेंसुधारकरकेसमयसीमाजोपहले 2 वर्षथी, कोघटाकरमात्र 5 माहकरदियागयाहै।

(iv) सरकारनेरक्षाऔरएरोस्पेसक्षेत्रमेंनवाचारकोआगेबढ़ानेऔरस्टार्टअप्सकोसहायतादेनेकेलिए 498.78 करोड़रु. (2021-22 से 2025-26) केपरिव्ययवालीएकस्कीमअनुमोदितकीहै।इससे 300 सेअधिकस्टार्टअपनईडिजाइनऔरविकासपरियोजनाओंमेंभागीदारबननेतथा 20 सहभागीइनक्यूबेटरोंकोसहायतादेनेमेंभीसमर्थहोंगे।

(v)
रक्षाविनिर्माणमेंआत्मनिर्भरताप्राप्तकरनेऔरडीपीएसयूद्वारानिर्यातकोन्यूनतमकरनेकेप्रयासोंकेएकभागकेरूपमेंविभागद्वारासकारात्मकस्वदेशीकरणसूचीअधिसूचितकीगईहै।इससूचीमें 2500 आयातितमदेंशामिलहैंजिनकास्वदेशीकरणपहलेहीकियाजाचुकाहैऔर 351 उच्चमूल्यआयातितमदेंजिनकास्वदेशीकरणअगले 3 वर्षोंमेंकियाजाएगा, शामिलहैं। 351 मदोंमेंसे 147 मदोंकास्वदेशीकरणपहलेहीकियाजाचुकाहै।

(vi) 107 लाइनरिप्लेसेबलयूनिटों (एलआरयू) / उच्चमूल्यप्लेटफॉर्मकीउप-प्रणालियोंकेस्वदेशीकरणहेतुडीपीएसयूकीएकअन्यसूचीदिनांक 28.03.2022 कोअधिसूचितकीगईथी।अबतक 4 एलआरयूकास्वदेशीकरणकियाजाचुकाहै; 5 एलआरयूपरीक्षणचरणमेंहैंऔर 31 एलआरयूडिजाइनऔरविकासचरणमेंहैं।

(vii) आयातप्रतिस्थापनकेलिएएमएसएमई/स्टार्टअप्स/उद्योगविकाससहयोगप्रदानकरनेहेतुउद्योगइंटरफेसकेसाथडीपीएसयू/ ओएफबी/सेवाओंकेलिएअगस्त 2020 मेंसृजननामकस्वदेशीकरणपोर्टलशुरूकियागयाहै।अबतक, पहलेआयातकीगई 21000 सेअधिकरक्षामदोंकोइसपोर्टलपरप्रदर्शितकियागयाहै। 388 निजीविक्रेताओंने 4700 सेअधिकमदोंकेस्वदेशीकरणमेंरुचिव्यक्तकीहैऔरअबतक 410 मदोंकास्वदेशीकरणकियाजाचुकाहै।

(viii) स्वदेशीविकासऔररक्षाउपकरणकेविनिर्माणकोबढ़ावादेनेहेतु ' मेक-II' श्रेणी (उद्योगद्वारावित्तपोषित) केलिएएकअलगप्रक्रियाअधिसूचितकीगईहै।इसप्रक्रियामेंयोग्यतामानदंडोंमेंछूट, न्यूनतमदस्तावेजीकरण,
उद्योग/व्यक्तिगतरूपसेदिएगएप्रस्तावोंपरविचारकरनेकेलिएप्रावधानआदिजैसेकईउद्योगहितैषीप्रावधानशामिलकिएगएहैं।अभीतकथलसेना, नौसेनाएवंवायुसेनासेसंबंधित 72 परियोजनाओंको'सैद्धांतिकअनुमोदन' प्रदानकियागयाहै।सेनाओंद्वारा 38 आवश्यकताहेतुस्वीकृति (एओएन), 05 विकसितप्रोटोटाइपोंऔर 02 अधिप्राप्तिसंविदाओंपरहस्ताक्षरकियेगयेहैं।

(ix) इसकेअलावा, परीक्षणप्रक्रियाकासुधारकरकेअधिप्राप्तिकेमेक-II रूटकोसरलकरदियागयाहैऔरसमयसीमाजोपहले2 वर्षथी, कोघटाकरमात्र 5 महीनेतककरदियागयाहै।

(x)
व्यापारकेसुगमीकरणकेभागकेरूपमें, निर्यातप्रक्रियाकोसरलऔरपूरीतरहसेऑनलाइनकरदियागयाहै।इसकेपरिणामस्वरूपजारीकिएगएनिर्यातप्राधिकारपत्रोंकीसंख्याबहुतबढ़गईहै।

(xi) रक्षापरीक्षणअवसंरचनायोजना (डीटीआईएस) बनाईगईहैताकिदेशमें 6 से 8 ग्रीनफील्डरक्षापरीक्षणअवसंरचनाओंकेनिर्माणहोसकेऔरघरेलूउद्योगहेतुरक्षापरीक्षणअवसंरचनामें "आत्मनिर्भरता" लाईजासके।

(xii) आजादीकाअमृतमहोत्सवकेभागकेरूपमें, सरकारने 11 जुलाई, 2022 को 'एआईडीईएफ' कार्यक्रमकाआयोजनकियाजिसमेंपहलीबारमाननीयरक्षामंत्रीद्वारा 75 रक्षाविशेषआर्टिफिशियलइंटेलिजेन्स (एआई) उत्पादलॉन्चकिएगएथे।कार्यक्रमकेदौरान, सार्वजनिकक्षेत्रकेरक्षाउपक्रम (डीपीएसयू) केतीनएआईउत्पादभीबाजारकेलिएलॉन्चकिएगएथे।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजराज्यसभामेंश्रीसंदोषकुमारपीद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीराज्यसभाकेपटलपररखी।

एसआर/डीके/डीएस

/राज्यसभा/

"33"
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्रसूचनाकार्यालय (रक्षाविंग)
भारतसरकार
****
'हरकामदेशकेनाम'

नई दिल्लीः श्रावण 17, 1944
सोमवारः 08 अगस्त 2022

रक्षा क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप्स

सरकार द्वारा सूक्ष्म(एमएसएमई) उद्यमों मध्यम एवं लघु ,स्टार्टअप्स निजी ,प्रवर्तकों , रक्षा हुए करते शामिल को उद्योगों सहित अकादमियों तथा संस्थानों विकास एवं अनुसंधान और एरोस्पेस सेक्टर में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करने एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उत्कृष्टता हेतु नवाचार फ्रेमवर्क (आईडीईएक्स)शुरू किया गया था।अभी तक आईडीईएक्स फ्रेमवर्क के अन्तर्गत डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज 7 के (डीआईएससी) संस्करणशुरू हो चुके हैं। अनेक स्टार्टअप्स ने डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज के विभिन्न चक्रों में भाग लिया है।

आईडीईएक्समार्गकेअन्तर्गत,
सरकारनवाचारऔरअभिकल्पनएवंविकासपरबलदेतीहैतथासफलप्रोटोटाइपविकासकेलिएस्टार्टअप्सऔरप्रवर्तकों कीसहायताकरतीहै।अभीतक 136 स्टार्टअप्सकोशामिलकियागयाहैऔरप्रोटोटाइपविकासकेलिए 102 संविदाओंपरहस्ताक्षरकिएगएहैं।इसकेअलावा,
मंत्रालयनेआईडीईएक्सविजेताओंकोआर्डरभेजनेकेलिएमार्गप्रशस्तकरतेहुए 14 आईडीईएक्सउत्पादोंकेलिएआवश्यकताहेतुस्वीकृति (एओएन) भीप्रदानकीहै।

सरकारनेवर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 5 वर्षोंकेलिए 498.78 करोड़रु. कीबजटीयसहायताकेसाथआईडीईएक्सकेलिएकेंद्रीयक्षेत्रकीएकयोजनाअनुमोदितकीहै।

रक्षासेनाओंकीओरसेप्रकटहोनेवालेप्रोब्लमस्टेटमेंट्सप्रौद्योगिकीऔरप्रोटोटाइपकेविकासहेतुआईडीईएक्स फ्रेमवर्ककेअंतर्गतलांचकिएजातेहैं, जिससेरक्षासेनाओंकीवास्तविकसमयकीसमस्याएंदूरहोजातीहैं।

रक्षाराज्यमंत्रीश्रीअजयभट्टनेआजराज्यसभामेंश्री संदोष कुमार पीद्वारापूछेगएएकप्रश्नकेलिखितउत्तरमेंयहजानकारीराज्यसभाकेपटलपररखी।

एसआर/डीके/डीएस